दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 30.05.2024

प्रकाशनार्थ

दिनांक 30.05.2024 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में 29 से 31 मई तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस में ''अनुसंधान के विभिन्न पहलू'' पर द्वितीय दिन प्रो. (डॉ.) सुशील कुमार सिंह, साइंस टेक इंस्टीट्यूट, एम.के.एस.ई.एस एजुकेशनल सोसाइटी लखनऊ ने कहा कि व्यापक अर्थ में अनुसन्धान किसी भी क्षेत्र में 'ज्ञान की खोज करना' या 'विधिवत गवेषणा' करना होता है। वैज्ञानिक अनुसन्धान में वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए जिज्ञासा का समाधान करने की कोशिश की जाती है। नवीन वस्तुओं की खोज और पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धान्तों का पुनः परीक्षण करना, जिससे कि नए तथ्य प्राप्त हो सकें, उसे शोध कहते हैं। शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है जिसमें बोधपूर्वक तथ्यों का संकलन कर व्यवस्थित व सावधानीपूर्वक सूक्ष्म बुद्धि से तथ्यों का अवलोकन कर नए तथ्यों या सिद्धांतों का उद्घाटन किया जाता है।

डॉ. सुशील ने आगे बोलते हुए कहा की अनुसंधान के अंतर्गत जब प्रत्येक विषय को एक पूर्ण इकाई के रूप में भिन्न–भिन्न न लेकर विभिन्न विषयों को एक समूह में रखा जाए, जिनका लक्ष्य एक ही हो अन्तर–अनुशासनात्मक अनुसन्धान कहलाता है। इससे विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को अधिकतम लाभ मिलता है। यह अनुसंधान समन्वित ज्ञान के विकास में भी सहायक होता है।

कांफ्रेंस के द्वितीय सत्र में 48 रिसर्च स्कॉलर्स द्वारा पेपर प्रस्तुत किया गया।

उक्त ऑनलाइन कांफ्रेंस में अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत आइ.क्यू.ए.सी. समन्यवक प्रो. परीक्षित सिंह ने किया, प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ धर्मेंद्र कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर श्रीमती श्वेता सिंह (अध्यक्ष, एम.के.यस एजुकेशनल सोसाइटी लखनऊ, यूपी), डॉ. नेहा सिंह सीनियर साइंटिस्ट विरोलोजी लैब, जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर,संयुक्त आयोजन सचिव, महाविद्यालय के शिक्षक प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. इंद्रेश पाण्डेय, डॉ राम प्रसाद यादव, डॉ. पवन पांडेय, डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं शोधार्थियों सहित भारत एवं अन्य देशों से लगभग 207 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क